मॉडल सेट–05

समय 3 घंटा 15 मिनट **पूर्णांक–100**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देशः–

(क) परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों मं ही उत्तर दें।

(ख) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ग) उत्तर देते समय शब्द–सीमा का ध्यान रखें।

(घ) दाहिनी ओर अंक निर्दिष्ट किये गये हैं।

(च) प्रश्न–पत्र को ध्यान से पढ़ें। इसके लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जा रहा है।

प्रश्न 1. (अ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दें। 6X2=12

परिश्रम उन्नति का द्वार है। मनुष्य परिश्रम के सहारे ही जंगली अव्यवस्था से वर्तमान विकसित अवस्था तक पहुँचा है। उसी के सहारे उसने अन्न, वस्त्र, घर, मकान, बाँध, पुल, सड़कें बनाई। तकनीक का विकास किया जिसके सहारे आज यह जगमगाती सभ्यता चल रही है। परिश्रम केवल शरीर की क्रियाओं का ही नाम नहीं है, मन तथा बुद्धि से किया गया परिश्रम भी परिश्रम कहलाता है। परिश्रम करने वाला मनुष्य सदा सुखी रहता है। परिश्रमी व्यक्ति का जीवन स्वाभिमान से पूर्ण होता है, वह स्वयं अपने भाग्य का निर्माता होता है। उसमं आत्मविश्वास होता है। परिश्रमी किसी भी संकट को बहादुरी से झेलता है तथा उसस संघर्ष करता है। परिश्रम कामधेनु है जिससे मनुष्य की सभी इच्छाएँ पूरी हो सकती हं। मनुष्य को मरते दम तक परिश्रम का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। जो परिश्रम से दूर भागता है वह जीवन में पिछड़ जाता है।

क. मनुष्य विकसित अवस्था तक कैसे पहुँचा है?

ख. कौन सदा सुखी रहता है?

ग. परिश्रमी व्यक्ति का जीवन कैसा होता है?

घ. परिश्रम कामधेनु है कैसे?

च परिश्रम से भागने वाले का क्या होता है?

छ. एक उपयुक्त शीषक दें।

ब. निम्नांकित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दें। **4x2= 8**

युवा वर्ग से अभिप्राय है- 16 से तीस वर्ष की अवस्था के व्यक्तियों का समूह। युवावस्था मानव-जीवन की वह अवस्था होती है जिसमें उत्साह, साहस, कुछ कर गुजरने की भावना होती है। इस अवस्था में जोश के साथ होश की भी आवश्यकता होती है। यही युवावर्ग देश का भविष्य है। उसे ही भविष्य में देश की राजनीतिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, आर्थिक आदि सभी प्रकार की क्रियाओं की बागडोर सँभालनी है। यदि युवावर्ग पुरुषार्थी, सत्यवादी, ईमानदार देशभक्त है और उसमें सेवा त्याग, स्नेह, सहानुभूति आदि मानवीय गुण हैं तो उनके हाथों में देश का भविष्य सुरक्षित है।

क. युवावर्ग से क्या अभिप्राय है?

ख. युवावस्था मानव-जीवन की कैसी अवस्था होती है?

ग. देश का भविष्य कौन है?

घ. कैसे युवावर्ग के हाथ में देश का भविष्य सुरक्षित है?

प्रश्न- 02 दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक पर निबंध लिखें। 10

क. आदर्श अध्यापक

1. भूमिका
2. अध्ययनशीलता
3. जो माता-पिता दोनों का प्यार दें।
4. चरित्रवान
5. आज अध्यापक की दशा
6. उपसंहार

ख. वृक्षारोपण

1. भूमिका
2. वृक्ष की महत्ता
3. वृक्ष से लाभ
4. कटाई की प्रतिपूर्ति

5. उपसंहार

ग. दुर्गा पूजा

1. भूमिका- परिचय
2. मनाने की तैयारी
3. संबंधित कथा
4. लाभ एवं हानि
5. उपसंहार

प्रश्न-03 विद्यालय में साइकिल की राशि-वितरण से संबंधित कार्यक्रम के संबंध में अपने पिता को एक पत्र लिखें। 5

अथवा

विद्यालय में शौचालय की व्यवस्था के संबंध में प्रधानाध्यापक के पास एक पत्र लिखें।

प्रश्न-04 विशेषण और उसके भेदों को लिखें। 5

अथवा

संधि एवं समास का भेद स्पष्ट करें और उदाहरण भी दें।

प्रश्न- 5 रिक्त स्थानों का भरें। 5x1= 5

क. दिगम्बर का संधि विच्छेद.....होगा।
ख. तिकोन में.....समास है।
ग. 'च' का उच्चारण स्थान.....है।
घ. 'मैं'.....सर्वनाम है।
च. आस्तिक का विलोमपद.....है।

प्रश्न- 6 निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करें: 5x1= 5

क. तितली के पास सुन्दर पंख होते हैं।
ख. वह कौन से मकान में रहता है?
ग. यहाँ नहीं लिखो।
घ. वह अनेकों भाषा जानता है।
च. उसके घड़ी में कै बजे हैं।

प्रश्न-7 स्तम्भ 'अ' और स्तम्भ 'ब' का सही मिलान आमने-सामने करें। 6x1= 6

स्तम्भ अ		स्तम्भ ब
1. मैक्समूलर	क.	अतिसुधो स्नेह का मारग है, मो अँसुवानिहिं लै बरसौ
2. यतीन्द्र मिश्र	ख.	लौटकर आऊँगा फिर
3. अशोक वाजपेयी	ग.	एक वृक्ष की हत्या
4. घनानंद	घ.	आविन्यों
5. जीवानद दास	च.	नौवत खाने में इवादत
6. कुँवर नारायण	छ.	भारत से हम क्या सीखें

निर्देश-प्रश्न 8 से 20 तक के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों में दें।

प्रश्न-8 परम्परा का ज्ञान किसके लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है? 3

प्रश्न-9 गाँधीजी बढिया शिक्षा किसे कहते हैं? 3

प्रश्न-10 खोखा किन मामलों में अपवाद था? 3

प्रश्न-11 हमें भारत की शरण लेने की कब जरूरत पड़ेगी? 3

प्रश्न-12 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें:

बच्चे कभी-कभी चक्कर में डाले दने वाले प्रश्न कर बैठते हैं। अल्पज्ञ पिता बड़ा दयनीय जीव होता है। मेरी छोटी लड़की ने जब उस दिन पूछ दिया कि आदमी के नाखून क्यां बढ़ते हैं तो मैं कुछ सोच ही नहीं सका। हर तीसरे दिन नाखून बढ़ जाते हैं, बच्चे कुछ दिन तक उन्हें बढ़ने दें, तो माँ-बाप अक्सर उन्हें डाँटा करते हैं।

1. यह किस शीर्षक पाठ से ली गई है? 1
2. प्रस्तुत गद्यांश के लेखक कौन हैं? 1
3. अल्पज्ञ पिता कैसा जीव होता है? 3

प्रश्न-13 गुरु की कृपा से किस युक्ति की पहचान हो पाती है? 3

प्रश्न-14 कवि ने माली-मालिन किन्हें और क्यों कहा है? 3

प्रश्न-15 कवि कहाँ अपने आँसुओं को पहुँचाना चाहता है और क्यों? 3

प्रश्न-16 कवि को किस बात का दुःख है? भाषा के संबंध में कवि क्या कहना चाह रहा है? 3

प्रश्न-17 निम्नांकित पद्यांश को पढकर दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें:

सदियां से ठंडी-बुझी राख सुगबुगा उठी
मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है।

क. प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई हैं? 1

ख. इस पाठ के रचनाकार कौन हैं। 1

ग. इस पद्यांश का भाव अपने शब्दों में लिखें 3

प्रश्न-18 मंगम्मा अपने बेटे-बहू से अलग क्यों हो गई? 3

प्रश्न-19 लक्ष्मी के दिल में कैसी आशंकाएँ उठती ह? 3

प्रश्न-20 सीता अपने ही घर में क्यों घुटन महसूस करती है? 4

उत्तर मॉडल सेट-05

उत्तर-01 (अ)

क. मनुष्य परिश्रम के सहारे ही जंगली अव्यवस्था से वर्तमान विकसित अवस्था तक पहुँचा है।

ख. परिश्रम करनेवाला मनुष्य सदा सुखी रहता है।

ग. परिश्रमो व्यक्ति का जीवन स्वाभिमान से पूर्ण होता है।

घ. क्योंकि परिश्रम से मनुष्य की सभी इच्छाएँ पूरी हो जाती हं।

च. वह जीवन मे पिछड़ जाता है।

छ. परिश्रम का महत्त्व

उत्तर-01 ब.

क-16 से 30 वर्ष की अवस्था के व्यक्तियों का समूह।

ख. युवावस्था मानव-जीवन की वह अवस्था होती है जिसमें उत्साह, साहस एवं कुछ कर गुजरने की भावना होती है।

ग. युवावर्ग

घ. पुरुषार्थी, सत्यवादो, ईमानदार, देशभक्त के साथ-साथ जिसमें त्याग, स्नेह, सहानुभूति इत्यादि मानवोय गणों वाले युवा वर्ग के हाथ में देश का भविष्य है।

उत्तर-2 (क) आदर्श अध्यापक

1. किसी भी छात्र के चरित्र-निर्माण में एक आदर्श शिक्षक का योगदान महत्त्वपूर्ण होता है। कहा गया है कि मनुष्य जब तक जीवित रहता है तब तक कुछ-न-कुछ सीखता ही रहता है किन्तु इतने में उसके कोई-न-कोई आदर्श अध्यापक होते हैं जिनकी प्रेरणा, आचरण एवं सिद्धांन्त का वह जीवनपर्यन्त अनुसरण एवं स्मरण करता रहता है। बिना किसी आदर्श शिक्षक के कोई आदर्श छात्र की कल्पना नहीं कर सकता। अत: शिक्षक को विचारकों ने कुम्भकार एवं माली भी कहा है।
2. आदर्श शिक्षक की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि वे अध्ययनशील होते हैं। वे नित नये ज्ञान की प्राप्ति हेतु प्रयत्न करते रहते ह एवं उन्हीं ज्ञान रूपी अमृत से छात्र को सोंचते रहते हं। आदर्श शिक्षक जिस ज्ञान को प्राप्त करते हैं पहले उस पर खुद

चलने का प्रयास करते तदनंतर छात्रां को भी चलने की प्रेरणा देते हैं। इतिहास गवाह है कि हमारे देश में अनेकों ऐसे आदर्श शिक्षक हुए हैं। जिनके सिद्धान्त उस समय से आज तक उतने ही उपयोगी हं।

3. आदर्श शिक्षक, छात्रों को माता के समान स्नेह एवं पिता के समान हमेशा उसकी रक्षा करते हैं। प्राचीन काल में छात्र गुरुकुल में पढ़ते थे। वहाँ उसके माता-पिता नहीं रहते थे, उसके शिक्षक ही दोनों भूमिकाओं का निर्वहन करते थे। आज भी विद्यालय में छात्र अपने आदर्श शिक्षक से ही दोनों स्नेह प्राप्त करते हैं।
4. आदर्श शिक्षक का चरित्र छात्रों के लिए अनुकरणीय होते हैं। वे 'सादा जीवन उच्च विचार' के पोषक होते हं। प्राय: देखा जाता है कि वे सिद्धांत तो देते हैं लेकिन खुद उसका अनुपालन नहीं करते है, परिणामस्वरूप उनके सिद्धान्त को कोई स्वीकार नहीं करता है। आदर्श शिक्षक के पास विषय का ज्ञान भी पर्याप्त होता है एवं उनको छात्रों को अवगत करने का कौशल भी होता है। अत: हम जीवनपर्यन्त ऐसे शिक्षकों को स्मरण करते हैं।
5. आज अध्यापक की दशा चिंतनीय है। भौतिकवादी युग में जहां धन की प्रधानता होती जा रही है वहाँ शिक्षकों का आदर्श जीवन अधिकांश लोगों के लिए अनुकरणीय नहीं रहता। अच्छे लोग इस कार्य को करना नहीं चाहते हैं। इसके लिए व्यवस्था एवं समाज भी दोषी है। आज उपेक्षित होकर भी शिक्षक अपने आचरण एवं ज्ञान के द्वारा छात्रों के आदर्श होते है। हर संस्थान में ऐसे शिक्षकों को आज भी छात्र आदर्श मान कर ही जीवन में सफल होते हैं।
6. इस प्रकार छात्र के भविष्य-निर्माण में आदर्श अध्यापक आज भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं जितने प्राचीन काल में थे। समय के साथ आज इनमें भी कुछ बदलाव हुए हैं। इनका ज्ञान, चरित्र, आचरण, कुशलता, अध्ययनशीलता एवं 'सादा जीवन उच्च विचार' में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं हुआ है। इनके इसी स्वरूप से छात्र आज भी मार्गदर्शन प्राप्त करते रहते हैं।

उत्तर-2 ख. वृक्षारोपण

1. वृक्ष प्रकृति का अनुपम उपहार है। इस अमूल्य सम्पदा को बनाए रखने की महती आवश्यकता है क्योंकि ये मानव जीवन का संरक्षण एवं पोषण करते हं। इन्हीं आवश्यकताओं को जानकर हमारे पूर्वजों ने इसे पुत्र के समान माना है। जिस प्रकार

मनुष्य ने अपने संतानों के द्वारा मानव-जाति की रक्षा की उसी प्रकार वृक्षारोपण के द्वारा प्रकृति का संतुलन बनाए रखा।

2. वृक्ष जल संतुलन में सहायक हैं। ये जहाँ जल लाते हैं वहीं बाढ़ को रोकने में भी मदद करते हैं। वृक्ष पृथ्वी को मरुभूमि बनने से रोकता है। प्रदूषण पर भी नियंत्रण वृक्षों के द्वारा होता है। ये अत्यधिक मात्रा में ऑक्सीजन अमृत को छोड़ते हैं एवं कार्बनडायऑक्साईड रूपी विष को शंकरजी के समान स्वीकार करते हैं। जीवों का भी संरक्षण इनके द्वारा होता है।
3. वृक्ष से हम लाभ-ही-लाभ प्राप्त करते हैं।
4. बढ़ती जनसंख्या एवं उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु मानव-समाज इसको निरंतर काटते ही जा रहा हैं आज वृक्ष एवं जंगलों की संख्या घटती जा रही ह। हम कटाई के साथ वृक्षारोपण के द्वारा इसकी प्रतिपूर्ति कर सकते ह। सरकार एवं समाज अब जागरूक होने लगे ह। विद्यालयों में भी वन महोत्सव जैसे कार्यक्रम होने लगे हैं जिसके द्वारा लोगों को वृक्षारोपण हेतु जागरूक किया जा रहा है। समाजसेवी संस्थाएँ भी इसमें आगे आ रही हैं।
5. पर्यावरण की रक्षा के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा। जहाँ पुराने पेड काटते हैं वहाँ नये वृक्ष लगाकर उसकी भरपाई कर सकते ह। खाली स्थान पर भी हम वृक्षारोपण कर प्रकृति का संरक्षण एवं संवर्धन कर सकते हैं।

उत्तर-2 ग. दुर्गा पूजा

1. हमारा देश अनेक धर्मों को मानने वाले लोगों से भरा है। यहाँ प्रतिदिन, प्रतिसप्ताह, मास एवं वर्ष भर कहीं-न-कहीं कोई-न-कोई धार्मिक उत्सव एवं त्योहार लोग मनाते ही रहते हैं। हिन्दुओं के सभी त्योहारों में दुर्गा पूजा का एक विशेष महत्त्व है जिसमें शक्तिस्वरूपा देवी दुर्गा की उपासना, आराधना एवं पूजा होती है।
2. यह आश्विन शुक्ल पक्ष के पतिपदा से दशवीं तिथि तक मनाई जाती है। लोग घर, मंदिरों, पूजा-पंडालों में देवी की पूजा करत हैं। इसका प्रारंभ कलश-स्थापन से होता है एवं समापन विजयादशमी को जयंती कटने एवं बाँधने से होता है। षष्ठी तिथि को विल्व-निमंत्रण से विजयादशमी तक विशेष पूजन होता है। सप्तमी तिथि को माता को दर्शन आरंभ होता है जो विजयादशमी तक चलता रहता है।

3. इसके संबंध में दुर्गासप्तशती के 13 अध्यायों में महिषासुर आदि के संहार की कथा एवं अन्य कथाएँ भी हैं। एक मान्यता यह भी है कि विजयदशमी के दिन ही राम ने रावण का संहार किया था जिसके कारण विजयादशमी के दिन रावण दहन भी किया जाता है।

4. दुर्गा पूजा के लाभ-ही-लाभ हैं। इससे लोगों को दुराचारों से लड़ने की प्रेरणा मिलती है। लोगों को देवी की आराधना से मानसिक शांति भी मिलती है, हानि कुछ भी नहीं है। कुछ लोग इस पूजा के बहाने सामाजिक समरसता को बिगाड़ने का प्रयास करते हैं। पूजा-पंडालों एवं साज-सज्जा पर व्यर्य खर्च भी करते हैं।

5. इस प्रकार दुर्गा पूजा सदियों से सामाजिक भेदभाव को मिटा कर एकता कायम करने की प्रेरणा देती है। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोग अपन योगदान से इसे सफल बनाते हैं। यह त्योहार यही शिक्षा देता है कि विजय सत्य की होती है, अन्यायियों का सर्वनाश होता है।

उत्तर -3

पूज्यवर पिताजी — पटना

सादर प्रणाम। — दिनांक-12-12-2016

मैं कुशल हूँ। आशा करता हूँ कि आप भी कुशल होंगे। मेरे विद्यालय में हर वर्ष की भाँति इस बार भी साइकिल-राशि वितरित करने हेतु कैम्प लगाया गया। इसमें हमारे विद्यालय के प्रधान शिक्षक सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के द्वारा ही 2500/-रुपया साइकिल-राशि प्राप्त किया। हमारे विद्यालय के सभी छात्र/छात्राओं को साइकिल-राशि दी गई।

यहाँ सभी लोग ठीक से हैं। आप ठीक से रहिएगा। ठंड से बचकर रहिएगा।

आपका प्रिय पुत्र

मानस कुमार

उत्तर- 3 अथवा

सेवामें

श्रीमान् प्रधानाध्यापक

उ0 वि0 खंगुरा, मुजफ्फरपुर

विषय :- विद्यालय में शौचालय की व्यवस्था कराने के संबंध में।

महाशय,

निवेदन है कि मैं मानस कुमार आपके विद्यालय में वर्ग (दशम) का नियमित छात्र हूँ। मेरे विद्यालय में अभी तक शौचालय की व्यवस्था नहीं है जिसके कारण छात्रों को शौचकार्य हेतु विद्यालय से बाहर जाना पड़ता है।

अत: आपसे सादर अनुरोध है कि मेरे निवेदन पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए शीघ्रातिशीघ्र शौचालय की व्यवस्था करान की कृपा की जाए।

आपका प्रिय छात्र
मानस कुमार
कक्षा(दशम)
उ0 वि0 खंगुरा

उत्तर-4 - जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बतलाये उसे विशेषण कहते हैं, जसे- अच्छा, लाल

विशेषण के भेद-

क. संख्यावाचक- एक, दो
ख. परिणामवाचक- थोडा, बहुत
ग. गुणवाचक- गोरा, काला
घ. सर्वनामिक विशेषण- ऐसा आदमी कहाँ मिलेगा?, यह ले लो।

उत्तर-4 अथवा

संधि- दो वणां के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं। जैसे-रमा+ईश- रमेश जगत+ईश- जगदीश इत्यादि।

समास- दो या दो से अधिक पदों का अपनी विभक्ति-चिह्नों को छोड़ कर एक पद हो जाना समास कहलाता है। जैसे नीलकंठ, महापुरुष, इत्यादि।

उत्तर-5
क. दिक+ अम्बर
ख. द्विगु
ग. तालु
घ. पुरुषवाचक
च. नास्तिक

उत्तर-6
क तितली के पंख सुन्दर होते हैं।
ख. वह किस मकान में रहता है?

ग. यहाँ मत लिखो।

घ. वह अनेक भाषाएँ जानता है।

च. उसकी घड़ी में कितने बजे हैं।

उत्तर-7

स्तम्भ-अ	**स्तम्भ ब**
1	छ
2	च
3	घ
4	क
5	ख
6	ग

उत्तर-8 जो लोग साहित्य में युग-परिवर्तन करना चाहते हैं, जो लकीर के फकीर नहीं हैं, जो रूढियाँ तोड़कर क्रांतिकारी साहित्य रचना चाहते हैं, उनके लिए साहित्य की परम्परा का ज्ञान सबसे ज्यादा आवश्यक है।

उत्तर-9 गाँधीजी सबसे बढ़िया शिक्षा अहिंसक प्रतिरोध को मानते हैं। यदि हमें अहिंसा के माध्यम से हिंसा का जबाव देने आ गया, तो समझना चाहिए कि हम सही अर्थों में शिक्षित हैं। बढ़िया एवं श्रेष्ठ (उदात) शिक्षा वही है जो हमें बुराई, अवगुण, हिंसा, अनैतिकता आदि का साहसपूवंक विरोध करने के लिए तैयार करे।

उत्तर-10 सेन परिवार में खोखा का जन्म उस समय हुआ था जब मिस्टर सेन और मिसेज सेन को संतानोत्पत्ति की कोई उम्मीद बाकी नहीं रह गई थी। सेन परिवार में पारिवारिक अनुशासन का पालन करना बस लड़कियों के जिम्मे था। सेन की पाँचों लड़कियाँ उनके द्वारा बनाए गए नियमों का अक्षरशः पालन करती थीं पर खोखा के लिए कोई नियम नहीं था। वह पारिवारिक नियमों के ऊपर था। इन्हीं मामलों में खोखा अपवाद था।

उत्तर-11 मानव-मस्तिष्क के चाहे किसी भी क्षेत्र का आप अपने विशिष्ट अध्ययन का विषय क्यों न बना लें, यथा-भाषा, धर्म, दैवतविज्ञान, दर्शन, कानून, पुरातन

विज्ञान इत्यादि इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में विचरण करने के लिए भले ही आप चाहें-न-चाहें हमं भारत की शरण लेनी ही होगी क्योंकि मानव-इतिहास से जुडा हुआ बहुमूल्य उपादेय एवं प्रामाणिक सामग्री का एक बहुत बहुत बड़ा भाग भारत और केवल भारत में ही संचित है।

उत्तर-12 1. हजारी प्रसाद द्विवेदी।

2. नाखून क्यों बढ़ते हं।

3 अल्पज्ञ पिता बड़ा दयनीय जीव होता है जब पिता के पास उसके बच्चों के द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर नहीं होता तो वह असमंजस की स्थिति में पड़ जाता है। तब उसकी हालत दयनीय जीव के समान होती है।

उत्तर-13 गुरु की कृपा से ही किसी व्यक्ति को सुख, दुख हर्ष-विवाद, आशा-निराशा, निंदा स्फुर्ति, मिट्टी- सोना, मान-अपमान में अभेद ज्ञान होता है। इसी अभेद ज्ञान को गुरूनानक ने गुरु की कृपा से प्राप्त युक्ति का नाम दिया है।

उत्तर-14 कवि ने कृष्ण को माली तथा श्री राधिका को मालिन कहा है। जिस तरह माली और मलिन दिनरात पुष्पवाटिका की देख-रेख करते हं। और उन्हीं के प्रयास से वाटिका में विभिन्न प्रकार के फूल खिले रहते हैं उसी प्रकार राधा-कृष्ण के कारण ही प्रेम-वाटिका हमेशा भावपुरुष खुले रहते हैं।

उत्तर-15 कवि अपने आँसुओं को सुजान को आँगन में पहुँचाना चाहता है ताकि सुजान उसकी विरह वेदना से परिचित हो सके एवं अपने दशन से उसकी वेदना को दूर कर सके।

उत्तर -16 कवि को इस बात का दुख है कि विदेशी विद्या पढ़कर भारतीयों की बुद्धि विदेशी हो गई है। और परदेश की चालचलन अच्छी लगने लगी है।

सारे भारतियों मं अपनी संस्कृति के प्रति कोई आस्था नहीं रह गई है। भारतीयों ने अपनी भाषा हिन्दी को छोड़कर अंग्रेजी भाषा को अपना लिया है। अंग्रेजी बोलने में उन्हें गर्व का अनुभव होता है। यह अत्यंत दु:खद स्थिति है।

उत्तर -17 क. जनतंत्र

ख. रामधारी सिंह 'दिनकर'

ग. इन पद्यांशों में कवि ने जनता में आए जागरण का उल्लेख किया है। कवि कहते हं कि युग-युग से प्रताड़ित-पीड़ित जनता अपना शैथिल्य त्याग कर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने को उद्यत हो गई है। जिस तरह ठंढी-बुझी राख के भीतर कभी-कभी बची-खुचो छोटी चिनगारी अचानक हवा का झोंका पाकर धधक उठती है, उसी तरह युग-युग से शोषित-प्रताड़ित जनता आज अपनी निष्क्रियता त्याग कर अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए संघर्षशील हो उठी है। तुच्छ समझी जानेवाली (मिट्टी) जनता ने अपने सतत संघर्ष से सत्ता पर अपना अधिकार जमा लिया है। सत्ता प्राप्त कर जनता गर्व से फूली नहीं समाती है।

उत्तर -18 मंगम्मा की बहू ने अपने बेटे को किसी बात पर खूब पीटा। इससे मंगम्मा एवं बहू के बीच तकरार बढ़ गई। माँ ने बेटे से निर्णय करने के लिए कहा। बेटा ने पत्नी का पक्ष लिया। उसने कहा कि मं पत्नी को छोड़ दूँगा तो वह बेसहारा हो जाएगी। तुम्हारा क्या है माँ, तुम्हार पास गाय-बैल ह, पैसा है, तुम्हारा गुजर-बसर हो सकता है। मंगम्मा बेटे का इरादा पढ़ कर अपने बेटे-बहू से अलग हो गई।

उत्तर-19 लक्ष्मी के दिल में तरह-तरह की आशंकाएँ उठती हैं। उसके दिल में विनाशकारी बाढ़ की आशंका उठती है तो उसका हृदय तड़प उठता है। उसके दिल में बाढ से बर्बादी की आशंका उठती है तो उसका दिल बैठ जाता है। क्या करेगी अकेली वह! कैसे बचाएगी अपने बच्चों की जान! कैसे झेलेगी बाढ़ की विभीषिका! कैसे करेगी संकट का मुकाबला! लक्ष्मण भी तो नहीं है।

उत्तर-20 पति की मृत्यु के बाद घर की स्थिति दयनीय हो गई है। भरा-पूरा परिवार है किन्तु भाइयों में मतभेद उत्पन्न हो गए हं। आत्मीयता का अभाव हो गया है। बहुएँ भी छोटी-छोटी बातों पर आपस में कलह करती हैं। सीता अपने पुत्रों के साथ परिवार में रहती है पर माँ बेटां के बीच जो आत्मीयता होती है, वह कहाँ है! कोई भी बेटा अपनी माँ से सुख-दुख की बात नहीं करता है। बहू की कड़वी बातें उसे चुभती रहती हैं। अपनी ही संतान से आज विक्षुब्ध हो गई है। अपन मन की व्यथा किसी से वह नहीं कह सकती है। यही कारण है कि अपने ही घर में उसे घुटन महसूस होती है।